



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 189]

No. 189]

नई दिल्ली, बुधस्वतिवार, मई 4, 2006/वैशाख 14, 1928

NEW DELHI, THURSDAY, MAY 4, 2006/VAISAKHA 14, 1928

वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

(बैंकिंग प्रभाग)

शुद्धिपत्र

नई दिल्ली, 28 अप्रैल, 2006

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

(BANKING DIVISION)

CORRIGENDUM

New Delhi, the 28th April, 2006

सा.का.नि. 270(अ).—25 फरवरी, 2005 के भारत के राजपत्र, असाधारण के भाग II, खण्ड 3, उप-खंड (i) में प्रकाशित भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग), (बैंकिंग प्रभाग) की दिनांक 25 फरवरी, 2005 की अधिसूचना सं. सा.का.नि. 103(अ) में, अधिसूचना के अंत में,—

“[फा. सं. 12/1/2003-डीआरटी]

के.बी.एल. माथुर, संयुक्त सचिव”

के स्थान पर

for

“[F. No. 12/1/2003-DRT]

K.B.L. MATHUR, Jt. Secy.”

“[फा. सं. 12/1/2003-डीआरटी]

के.बी.एल. माथुर, संयुक्त सचिव

पढ़ा जाए

read

“[F. No. 12/1/2003-DRT]

K.B.L. MATHUR, Jt. Secy.

पाद टिप्पणी :—मूल नियम 19 जनवरी, 1998 के सा.का.नि. 31(अ) के तहत प्रकाशित किए गए थे और तत्पश्चात् 2 अगस्त, 2000 के सा.का.नि. 645(अ) के तहत इसे संशोधित किया गया।”

[फा. सं. 12/1/2003-डीआरटी]

राम मुईवा, अवर सचिव

G.S.R. 270(E).—In the notification of the Government of India, in the Ministry of Finance (Department of Economic Affairs), (Banking Division) No. G.S.R. 103(E), dated the 25th February, 2005, published in Part II, Section 3, Sub-section (i) of the Gazette of India, Extraordinary, dated the 25th February, 2005, at the end of the notification,—

Foot note :—The principal rules were published vide G.S.R. 31(E) dated the 19th January, 1998 and subsequently amended vide G.S.R. 645(E) dated the 2nd August, 2000.”

[F. No. 12/1/2003-DRT]

RAM MUIVAH, Jt. Secy.